Roll No.....
Signature of Invigilator .....

Paper Code

MD-401

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2023

एम.ए. दर्शन, चतुर्थ सत्र

सांख्य योग-4

Time : 3 Hours **Max. Marks : 70**

नोट: यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड -क)

(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट: खण्ड 'क' में विकल्पसहित (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3 x15 =45)**

1. वासनाओं की उत्पत्ति का कारण और निवारण के उपायों का वर्णन व्यास भाष्यानुसार वर्णन करें।

2. धर्ममेघ समाधि के स्वरूप का विवेचन-पूर्वक प्राप्त लाभों का निरूपण योगदर्शन के अनुकुल प्रस्तुत करें।

3. योगदर्शन के चतुर्थपाद के अनुसार प्रसङ्गानुकुल कैवल्य के स्वरूप को निरूपित करें।

4. सांख्य दर्शन के अनुसार ख्यातिवाद का स्वरूप प्रतिपादन करें।

5. त्रिगुणात्मक मूल उपादान कारण के विभुत्व का हेतुपूर्वक सविस्तार वर्णन करें।

(खण्ड-ख)

(लघु- उत्तरीय प्रश्न)

नोट: खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5 x5 =25)**

6. परिणाम के एकत्व से वस्तुतत्व का एकत्व उत्पन्न होता है, योगदर्शन तथा व्यासभाष्य के युक्ति के अनुसार वर्णन करें।

7. योगदर्शन और व्यासभाष्यनुसार योगी तथा इतर जनों के कर्मों का विवरण प्रस्तुत करें।

8. ''द्रष्टृदृश्योपरक्तं चित्तं सर्वार्थम्'' इस सूत्र के अभिप्राय का उल्लेख संक्षेप से करें।

9. योगदर्शन तथा व्यास भाष्य के अनुसार 'क्रम' का विवेचन प्रस्तुत करें।

10. चित्त-स्वभास का क्या अभिप्राय है? प्रसङ्ग के अनुसार व्याख्या करें।

11. सांख्यदर्शन के अनुसार आसन तथा ध्यान का स्वरूप प्रतिपादन करें।

12. उपासना का स्वरूप तथा निरोध के उपायों का वर्णन सांख्य सिद्धान्त के अनुसार करें।

----------X----------